अनवरगंज-मन्धना रेलवे लाइन हटाने के सम्बन्ध में हुई वार्ता पर संचिप्त विवरण:

यह निश्चय लिया गया की निम्न विषयों पर डॉ. मुरली मनोहर जोशी से वार्ता की जायेगी:

मर्चेंट्स चेम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश कानपुर की यातायात की समस्या पर विशेषतयः जी. टी. रोड जिसके सामानांतर अनवरगंज-मन्धना रेलवे लाइन बिछी हुई है उस पर लगभग 48 गाड़िया प्रति दिन चलती है । 28 यात्री ट्रेन व् 20 ट्रेन मालगाड़ी की है ।

अनवरगंज-मन्धना के बीच में 18 रेलवे क्रासिंग पढ़ती है जिन पर की इन गाडियों के चलने के परिणामस्वरूप हर आधे घंटे में भीढ़ लग जाती है । यह अनुमानित किया गया गया है की प्रतिदिन जी. टी. रोड पर चलने वाली वाहनों की संख्या 10 लाख है और ट्रैफिक जाम के कारण अनुमानित ईंधन की छति लगभग 20 लाख रूपये है। इन तथ्यों के साथ जिन बातो पर गौर करने की आवश्यकता है वो जनहानि के सन्दर्भ में है; यातायात सुगम न होने के कारण किसी रोगी का अस्पताल समय से न पहुचना, बच्चो का स्कूल समय से न पहुचना तथा अधिकांश समय ट्रैफिक-जाम में बिताना, जैसी मुख्य समस्याए है, जिनसे आम आदमी को प्रतिदिन दो-चार होना पढता है ।

यह दोनों तथ्य यह प्रदर्शित करते है कि कानपुर के लोगो की असुविधा का स्तर और कीमती आयातित ईंधन की हानि बहुत अधिक है ।

इस सन्दर्भ में डी. आर. एम. एलाहाबाद से कई मीटिंग्स हो चुकी है और उन्होंने सर्वे भी कराया था तथा रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को भेजी गयी थी । रिपोर्ट की इकोनोमिक फिजिबिलिटी को ध्यान में रखकर संशोधित भी किया।

यधपि भारतीय रेलवे स्वंतंत्र लाभ आधारित इकाई है लेकिन यह कंपनी यूनियन गवर्नमेंट के द्वारा चलायी जाती है जिसको की अपनी ड्यूटी कानपुर के टैक्सपेयर्स के प्रति भी पूरी करनी है ।

डॉ. जोशी ने चेम्बर के मेम्बर्स के साथ हुई मीटिंग में यह कहा था की रेलवे ने उनके साथ की गयी बात-चीत में सूचित किया था कि दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर कोई भी उपयोग किया जाने वाला खाली ट्रैक नही है जिस पर अनवरगंज-मन्धना रेलवे लाइन का अतिरिक्त लोड डाल सके ।
मीटिंग में यह सहमती थी कि कानपुर नगर को बचाने के सम्बन्ध में यह जरुरी है की अनवरगंज-मन्धना रेलवे लाइन को हटाया जाए ।
ऊपर दिए हुए मुद्दे का संभावित हल के विषय में वार्तालाप तथा सुझाव का विवरण

- मन्धना से पनकी रेल ट्रैक बिछायी जाये
- मन्धना से अनवरगंज तक एक पिलर केंटिलिवर टाइप ऊँची रेल चलायी जाये जिस पर लोकल ट्रेन चले ।
- पनकी से कानपुर सेन्ट्रल / अनवरगंज तक ट्रैक बिछने के लिए सर्वे किया जाए। इस जगह पर दोनों तरफ कई अवैधानिक अतिक्रमण छेत्र है जो की रेलवे की संपत्ति है। इस भूमि पर अतिरिक्त रेल ट्रैक बिछाई जाये ।
- कानपुर छेत्र के रेल स्टोपेजेस को अन्य स्टेशंस के बीच बाट दिया जाए जैसे की पुराना कानपुर, पनकी, गोविन्दपुरी स्टेशन इत्यादि।

इस सम्बन्ध में डा0 मुरली मनोहर जोशीजी ने कहा मैं इलाहाबाद डी आर एम से बात करूँगा तथा माननीय रेलवे मंत्री से बात करके आप लोगों को मंत्रीजी से मिलने के लिए लेकर चलूँगा और हो सका तो माननीय मंत्री जी को इस समस्या के निराकरण हेतु कानपुर लेकर आउँगा।

चेंम्बर के अध्यक्ष डा0 इन्द्र मोहन रोहतगीजी ने बैठक की अध्यक्षता की।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के महामंत्री श्री ज्ञानेश मिश्रा ने विस्तार से अनवरंगज से मंधना रेलवे लाइन से होने वाली दिक्कतों व ट्रेंक के हटने पर

विकराल जाम से निजात व क्षेत्रीय बाजारों के व्यापारियो को होने वाले फायदे के बारे में सुझाव प्रस्तुत किये।

बैठक में चेम्बर के उपाध्यक्ष श्री पदम कुमार जैन, चेम्बर सचिव श्री ए0 के0 सिन्हा, श्री अतुल कानोडिया,, श्री राज कुमार गुप्ता, सरदार गुर जिन्दर सिंह, श्याम शुक्ला, श्री अतुल द्विवेदी, श्री हरी शंकर गुप्ता, श्री श्याम अग्ररहरी, श्री भूपेष अवस्थी, श्री सर्वेश दुबे, श्री शेष नारायण त्रिवेदी एवं कानपुर के प्रमुख संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।